Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

J	0	4	1	0

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III
PSYCHOLOGY

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

PSYCHOLOGY

मनोविज्ञान

PAPER–III

प्रश्नपत्र–III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Why humanistic approach in psychology could not find a major place in main stream psychology ? Discuss.
मनोविज्ञान में मानवतावादी उपागम मनोविज्ञान की प्रमुख धारा में प्रमुख स्थान क्यों नहीं बना सका ? विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

What ethical issues are involved in conducting experiments on human subjects ? How they can be taken care-of ?
मानवीय प्रयोज्यों पर प्रयोग करने में कौन से नैतिक मुद्दे आते हैं ? उनका किस प्रकार ध्यान रखा जा सकता है ?

2. Discuss Psycho-Social aspects of health oriented behaviour.
स्वास्थ्य उन्मुखी व्यवहार के मनो-सामाजिक पहलुओं की विवेचना करें ।

OR / अथवा

Discuss the arguments on Nurture : Nature controversy. Why it cannot be resolved ?
जन्मजात प्रकृति : परिपोषण विवाद पर तर्कों की विवेचना करें । इसका समाधान क्यों नहीं किया जा सका ?

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / ऐच्छिक – I

3. What psychological methods can be employed to enhance pro-environment behaviour ?

वातावरण-पक्षीय व्यवहार को बढ़ावा देने के लिये कौन सी मनोवैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जा सकता है ?

4. Discuss the psychological effects of yielding to power.

सत्ता के प्रति झुकने के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की विवेचना करें ।

5. Citing Festinger and Carlsmith's study, examine the cognitive consequences of forced compliance.

फेस्टिंगर एवं कार्लस्मिथ के अध्ययन का उदाहरण देते हुए बलात आज्ञापालन के संज्ञानात्मक परिणामों की परीक्षा करें ।

OR/अथवा

Elective – II / ऐच्छिक – II

3. What is Life-span development ? Describe principles of Life-span development.

जीवन-विस्तार विकास क्या है ? जीवन-विस्तार विकास के सिद्धान्तों का वर्णन करें ।

4. Define the key concepts of Piagetian theory and four stages of development described by Piaget.

प्याजेवादी सिद्धान्त की मुख्य अवधारणाओं और प्याजे द्वारा वर्णन की गई विकास की चार अवस्थाओं का वर्णन करें ।

5. Describe the developmental course of peer interaction and define key concepts such as cliques and crowds.

साथी अंत:क्रिया के विकासात्मक पथ का वर्णन करें और मुख्य अवधारणाओं जैसे गुट (क्लिक) और जनसंकुल (क्राउड) की व्याख्या करें ।

OR/अथवा

Elective – III / ऐच्छिक – III

3. Discuss various non-intellectual correlates of academic under-achievement. What special efforts are needed to overcome their ill-effects ?

एकेडेमिक न्यून-उपलब्धि के गैर-बौद्धिक सहसम्बन्धकों की विवेचना करें । उनके दुष्प्रभावों पर काबू पाने के लिये क्या विशेष प्रयत्न करने चाहिये ?

4. Discuss important characteristics of directive counselling with its advantages and disadvantages for college students.

कॉलेज के विद्यार्थियों के लिये निदेशात्मक परामर्श की, उसके लाभ एवं हानियों सहित, महत्त्वपूर्ण विशेषताओं की विवेचना करें ।

5. Explain nature and special benefits of case study as a technique of guidance. Prepare a proforma of case study of under-achieving girl student.

मार्गदर्शन की तकनीक के रूप में वैयक्तिक अध्ययन के स्वरूप एवं विशेष लाभों को स्पष्ट करें । न्यून-उपलब्धि की बालिका विद्यार्थी के वैयक्तिक अध्ययन का प्रोफ़ॉरमा (निदर्शन पत्र) तैयार करें ।

OR/अथवा

Elective – IV / ऐच्छिक – IV

3. Discuss the psychological aspects of industrial selection and performance appraisal.

औद्योगिक चयन एवं निष्पन्नता मूल्यांकन के मनोवैज्ञानिक पहलुओं की विवेचना करें ।

4. Discuss processes and strategies to enhance organizational success through transactional leadership.

संव्यवहारात्मक नेतृत्व के जरिये संगठनात्मक सफलता को बढ़ाने के प्रक्रमों और युक्ति-योजनाओं की विवेचना करें ।

5. Compare the motivational models of Herzberg and Vroom.

हर्ज़बर्ग और व्रूम के अभिप्रेरणा सम्बन्धी मॉडलों की तुलना करें ।

OR

Elective – V / ऐच्छिक – V

3. Explain biological causes of Schizophrenia.

मनोविदलता (शिज़ॉफ्रेनिया) के जैविक कारणों को स्पष्ट करें ।

4. Describe the rationale behind Cognitive Behaviour Therapy and discuss its usefulness in treating drug addiction.

संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा के पीछे तर्क आधार का वर्णन करें और मादक द्रव्य व्यसन का इलाज करने में उसकी उपयोगिता की विवेचना करें ।

5. What are the advantages and limitations of classification.

वर्गीकरण के लाभ और सीमाएँ क्या हैं ?

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Critically evaluate Gestalt Theory of Perception.
   गेस्टाल्ट के प्रत्यक्षण के सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें ।

7. Describe briefly the cognitive approach to learning.
   अधिगम के संज्ञानात्मक उपागम का संक्षेप में वर्णन करें ।

8. Enumerate in brief various biochemical factors associated with memory.
स्मृति से जुड़े विभिन्न जैव-रासायनिक कारकों का संक्षेप में उल्लेख करें ।

9. Differentiate between convergent and divergent thinking.
अभिसारी और अपसारी चिंतन के बीच अन्तर करें ।

10. What do you understand by the term threshold hypothesis ?
'थ्रेसहोल्ड' प्राक्कल्पना से आप क्या समझते हैं ?

11. Describe categories of scoring Rorschach's Ink blot test responses.
रॉर्शाक के इंक ब्लॉट परीक्षण में अंक बनाने या सफल होने की अनुक्रियाओं के वर्गों का वर्णन करें ।

12. What is a matched group design ?
सुमेलित समूह डिजाइन क्या है ?

13. Describe Thurstone's Law of Comparative Judgement.

थर्सटोन के तुलनात्मक निर्णय के सिद्धान्त का वर्णन करें ।

14. Explain how endocrine glands work as interlocking system with each other as well as with neural system.

अंत:स्रावी ग्रन्थियाँ किस प्रकार एक दूसरे के साथ अंत:पाशी तन्त्र के रूप में और साथ ही साथ तंत्रिकीय तन्त्र के साथ कार्य करती हैं, स्पष्ट करें ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the paragraph carefully and answer the questions given below :

Non-experimental designs known as correlational methods, are research designs in which neither the random assignment of subjects to condition nor the use of a control group are employed. The goal is to know the potential relationship among variables or set of variables. But correlational research designs do not allow the researcher to say anything about the causal relationship between the variables. It simply tells us the co-variation between the variables and not whether one variable causes the other. For example, it is difficult to ascertain whether intelligence causes the development of social skills, or reverse is true i.e. social skills may cause intelligence, or whether the two constructs are caused by some other common factor. A correlation between two variables could be caused by the presence of a third variable, which is responsible for the relationship between two variables. One way in which researchers can deal with the issue of a interference of third variable is to statistically control the variable by including measures of that variable and apply partial correlation.

निम्नलिखित परिच्छेद को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिये प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

अप्रायोगिक डिज़ाइन जिन्हें सहसम्बन्ध विधियों के रूप में जाना जाता है, एक प्रकार के शोध डिज़ाइन हैं, जिसमें न तो प्रयोज्यों का किसी स्थिति में यादृच्छिक रूप से समानुदेशन और न ही नियन्त्रित समूह के इस्तेमाल को प्रयुक्त किया जाता है । लक्ष्य यह है कि चरों या चरों के समुच्चय के मध्य संभावित सम्बन्ध को जानें । परन्तु सहसम्बन्धनीय शोध के डिजाइन शोधकर्ता को चरों के मध्य कारणात्मक सम्बन्ध के बारे में कुछ नहीं बताते हैं ।

वो हमें केवल इतना ही बताता है कि क्या एक चर का कारण दूसरा चर है, उदाहरण के लिये, यह तय करना कठिन है कि क्या बुद्धि के कारण सामाजिक कौशलों का विकास होता है या इसके विपरीत तथ्य सत्य है, अर्थात्, सामाजिक कौशलों के कारण बुद्धि का विकास होता है, क्या दो रचनाओं का कारण कोई अन्य सर्वनिष्ठ कारक है ? दो चरों के बीच सहसम्बन्ध तीसरे चर, जो दो चरों के बीच सम्बन्ध के लिये उत्तरदायी है, की उपस्थिति की वजह से हो सकता है । एक तरीका जिससे शोधकर्ता तीसरे चर के विघ्न के मुद्दे को निबटा सकता है वो है, उस चर के माप को शामिल करके चर को सांख्यिकीय रूप से नियन्त्रित करना और आंशिक सहसम्बन्ध का अनुप्रयोग करना ।

15. Explain the meaning and interpretation of correlation.
सहसम्बन्ध का अर्थ और निर्वचन स्पष्ट करें ।

16. What are the limitations of correlational studies ?
सहसम्बन्धनीय अध्ययनों की क्या सीमाएँ हैं ?

17. Why non-experimental designs use correlation method ?
अप्रायोगिक डिज़ाइन में क्यों सहसम्बन्ध विधि का उपयोग करते हैं ?

18. Why correlation cannot depict causal relations ?
सहसम्बन्ध क्यों कारणात्मक सम्बन्धों का वर्णन नहीं कर सकता है ?

19. How should any researcher control the third variable problems ?
शोधकर्ता किस प्रकार तीसरे चर की समस्याओं को काबू में ला सकता है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....